क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग.पर्यावरण संरक्षण मंडल
5/32 बंगला भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)

मे0 स्टील ॲथारिटी ऑफ इंडिया लिमि. (सेल) भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा राजहरा हिल, (लीज क्षेत्र 719.60 हे0) में क्षमता विस्तार के तहत् ओर प्रोसेसिंग/बेनिफिकेशन क्षमता–9.55 एमटीपीए से 14 एमटीपीए के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई में दिनांक 05.05.2011 को आयोजित लोक सुनवाई की कार्यवाही।

भारत शासन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के अंतर्गत मे0 स्टील ॲथारिटी ऑफ इंडिया लिमि. (सेल) भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा राजहरा हिल, (लीज क्षेत्र 719.60 हे0) में क्षमता विस्तार के तहत् ओर प्रोसेसिंग/बेनिफिकेशन क्षमता–9.55 एमटीपीए से 14 एमटीपीए के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में उद्योग के आवेदन के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई की तिथि 05.05.2011 निर्धारित कर समाचार पत्रों नवभारत, रायपुर दिनांक 03.04.2011 एवं टाईम्स आफ इंडिया, नई दिल्ली दिनांक 04.04.2011 के प्रकाशन में लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। ई.आई.ए.अधिसूचना 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं कार्यपालक सार की प्रति एवं इसकी सी.डी. जन सामान्य के अवलोकन हेतु जिला कलेक्टर कार्यालय, दुर्ग, जिला पंचायत कार्यालय, दुर्ग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दुर्ग, नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग, ग्राम पंचायत कुसुमकसा, जिला दुर्ग, ग्राम पंचायत बिटाल, जिला– दुर्ग, ग्राम पंचायत धोबेदण्ड, जिला– दुर्ग, ग्राम पंचायत टेकाधोड़ा, जिला– दुर्ग, ग्राम पंचायत साल्हे, जिला– दुर्ग, ग्राम पंचायत आड़ेझर, जिला– दुर्ग, ग्राम पंचायत नलकसा, जिला– दुर्ग,ग्राम पंचायत कामता, जिला–दुर्ग, क्षेत्रीय कार्यालय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड नं.3, ई.–5 ,अरेरा कालोनी, भोपाल, डायरेक्टर, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, सी.जी.ओ. काम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, छ.ग.पर्यावरण संरक्षण मंडल मुख्यालय 1–तिलक नगर, शिव मंदिर चौक, मेन रोड अवन्ती विहार रायपुर, क्षेत्रीय कार्यालय छ.ग.पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला भिलाई में रखवाई गई थीं। उक्त परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका– टिप्पणियां एवं आपत्तियां इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला भिलाई, जिला–दुर्ग में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। लोक सुनवाई की निर्धारित तिथि तक क्षेत्रीय कार्यालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला भिलाई, जिला–दुर्ग में लिखित रूप से उक्त परियोजना के संबंध में सरपंच ग्राम पंचायत बिटाल से 01 आपत्ति दिनांक 28.04.2011 को प्राप्त हुई।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 05.05.2011 दिन गुरूवार दोपहर 12:00 बजे श्री धरमवीर शर्मा, अपर कलेक्टर, जिला– दुर्ग की अध्यक्षता में पं0 जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग में लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

अपर कलेक्टर, दुर्ग द्वारा लोक सुनवाई प्रारंभ करने की घोषणा की गई। सर्वप्रथम श्री ए0 सी0 मालू , क्षेत्रीय अधिकारी छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई द्वारा भारत शासन, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। साथ ही प्रस्तावित उद्योग के क्षमता विस्तार के संबंध में सामान्य जानकारी दी गई। इसके पश्चात् उद्योग प्रतिनिधि श्री अपूर्व मुखर्जी, डीजीएम,

तकनीकी, माइन्स विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के संबंध में तथा राजहरा हिल माइन्स (लीज क्षेत्र 719.60 हेक्टेयर) के क्षमता विस्तार के तहत प्रोसेसिंग/बेनिफिकेशन क्षमता– 9.55 एमटीपीए से 14 एमटीपीए के संबंध में जानकारी के साथ ही प्रस्तावित परियोजना के संबंध में तकनीकी विवरण, जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन एवं वृक्षारोपण, सामुदायिक विकास संबंधी प्रस्तावित कार्यो आदि के साथ वर्तमान पर्यावरणीय स्थिति से जन सामान्य को अवगत कराया गया। इसके पश्चात् परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार डॉ0 पी.आर. चौधरी, प्रोजेक्ट एडवाईजर, नीरी नागपुर द्वारा प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के संबंध में जानकारी दी गई। क्षेत्रीय अधिकारी श्री ए.सी. मालू द्वारा उद्योग द्वारा हितकसा टेलिंग डेम के निकट 22 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित नये टेलिंग डेम के संबंध में प्रस्ताव ई.आई.ए. की फाइनल रिपोर्ट में शामिल करने हेतु उद्योग को निर्देशित किया गया। उद्योग प्रतिनिधि श्री अपूर्व मुखर्जी, डीजीएम, तकनीकी, माइन्स विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा चर्चा के मध्य हितकसा टेलिंग डेम में अब तक समाहित स्लाइम्स के उपयोग आदि के संबंध में पुनः जानकारी दी गई। तत्पश्चात् परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार डॉ0 पी.आर. चौधरी, प्रोजेक्ट एडवाईजर, नीरी नागपुर द्वारा अपना उद्बोधन पुनः जारी रखा गया तथा मौसम के संबंध में आंकड़े, जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण संबंधी जानकारियों सहित अन्य जानकारियां दी गई।

तत्पश्चात् अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उपस्थित जन समुदाय से प्रस्तावित माइन्स क्षमता विस्तार के संबंध में पर्यावरणीय सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु कहा गया।

लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय में से निम्नलिखित लोगों द्वारा प्रस्तावित उद्योग की स्थापना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां मौखिक रूप से प्रस्तुत की गई :–

1. **श्री कुशल ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता, राजहरा जिला–दुर्ग।**

- सन् 1960 से वर्तमान तक आयरन ओर का उत्खनन हुआ लेकिन विकास किस वर्ग का हुआ यह आज तक समझ नहीं आया और ना ही आम जनता यह समझ पाई है।
- विकास का पैमाना क्या था ?
- यहां की आबादी लगभग एक लाख के आसपास थी, जो अब कम होती जा रही है, युवा वर्ग पलायन करते जा रहे हैं।
- जन सुनवाई में आम जनता की भागीदारी कम लग रही है।
- इसका व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार होना चाहिए था।
- जन सुनवाई की जानकारी आम जनता तक क्यों नहीं पहुंचाई गई ?
- मेरे द्वारा 20 गांव का दौरा किया। गांव के आम आदमी की बात तो दूर जनप्रतिनिधि तक को जन सुनवाई के बारे में पता नही है।
- गांव के पंच, सरपंच तक भी इसकी कोई जानकारी नही दी गई।
- विकास की बात करें तो दल्ली राजहरा क्षेत्र में कोई इण्ड0 क्षेत्र के खदान के उत्खनन बाबत् विकास का पैमाना क्या होना चाहिए ? पैरामीटर्स के बारे में भी बताये।
- स्वास्थ्य, शिक्षा की स्थिति में कोई सुधार नही हुआ।
- आप किसी क्षेत्र से कोई चीज ले रहे हैं तो उसका पूरा हिसाब देना होगा। जनता को इसका पूरा लाभ मिलना चाहिए।

2. **श्री शांति लाल जैन, अध्यक्ष, व्यापारी संघ, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।**

- पूरे पहाड़ों का उत्खनन होता जा रहा है।
- लोहा कम होने के कारण यहां के श्रमिक भाईयों को हटाया जा रहा है।
- संयंत्र में मशीनीकरण चालू होने पर मजदूरों को हटा दिया गया।
- बीएसपी के अधिकारी यहां के मजदूरों की संख्या बढ़ाना नहीं चाहते हैं। बीएसपी के अधिकारियों ने कहा कि यहां काफी विकास किया गया है।
- यहां के कर्मचारियों का इलाज ठीक से नही हो पाता।
- स्कूल शिक्षा की व्यवस्था ठीक नहीं है।
- पर्याप्त चिकित्सा सुविधा का लाभ नही मिल पाता।
- क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुविधा मिले।
- महामाया हास्पीटल खुला था, वह बन्द हो चुका है।
- राजहरा में भी पढ़ने की व्यवस्था ठीक नही है।
- अधिकारी, व्यवसायी, मजदूर के बच्चे बाहर पढ़ने जाते हैं क्यों ?
- बीएसपी प्रबंधन से सड़कों के सुधार हेतु मांग करने पर 430 लाख रूपये दिये गये। स्कूल खुला है उस स्कूल में सभी वर्ग के बच्चों को अध्ययन हेतु लिया जाये।
- मजदूरों को रोजगार, बेरोजगारों को रोजगार मिले।
- सड़कों की हालत देखिए।
- प्लांट लगे ताकि मजदूर बढ़े और क्षेत्र की प्रगति हो सके।

3. **श्री कमलजीत सिंह मान, जनरल सेक्रेटरी, एटक, राजहरा जिला–दुर्ग।**

- दल्लीराजहरा एवं रावघाट में माइन्स खुलने हेतु ट्रेड यूनियन एवं राजनैतिक दलों द्वारा लगातार प्रयास किये जाते रहे हैं। लगभग 25–30 सालों से यह मांग जारी है साथ ही दल्लीराजहरा–रावघाट रेलवे लाईन चालू करने के संबंध में भी मांग की जाती रही है।
- पर्यावरण ज्यादा नष्ट न हो, इसके लिये जन सुनवाई हो रही है। दल्लीराजहरा उजड़ रहा है इसे हमें बचाना है। प्लांट खुले इसका हम स्वागत करते हैं।
- शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में गंभीर चिन्तन करना चाहिए। एक हास्पीटल महामाया क्षेत्र में चालू था, जो अब बन्द हो चुका है उसे खुलवाया जाये।
- दल्लीराजहरा के स्कूल पुनः खुलवाये जाये।
- रोजगार हमारे स्थानीय लोगों को मिले।
- खदानें जब यहां शुरू हुई थी तो लगभग 15000 लोगों को रोजगार मिला था। तकनीक आने से रोजगार कम हो गया। अभी भी रोजगार बढ़ाने के लिये प्रयास करने चाहिए जो स्थानीय लोगों का आक्रोश है उसे दूर करने का प्रयास करना जरूरी है।
- बीएसपी सेल के पास भरपूर पैसा है जिसका संपूर्ण उपयोग कर यहां के क्षेत्र की जनता के भविष्य के विकास कार्यो में खर्च करना चाहिए।
- बीएसपी प्लांट में लगभग 80000 लोग कार्य करते हैं। सेक्टर–9 हास्पीटल में बहुत दूर दूर से लोग इलाज करवाने आते हैं। बेहतर भविष्य के लिये अधिकारी/कर्मचारी अपना भरसक प्रयास करें।

- बीएसपी ने वन विभाग को पेड़ लगाने के लिये पैसे दिये थे, वे ठूंठ बन गये हैं। पौधे जो रोपे गये हैं उन्हें सुरक्षा प्रदान किये जाने प्रबंधन विशेष योजना शुरू करे, ताकि पौधे विकसित हो सकेंगे।
- योजना का स्वागत करना चाहिए क्योंकि इसकी मांग सभी कर रहे थे।

4. श्री दीपक मित्तल, नवभारत ब्यूरो, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- रावघाट परियोजना की स्वीकृति के लिये बड़े बड़े वायदे किये जा रहे हैं। रावघाट परियोजना की स्वीकृति नही मिली है तो अभी से ये आयोजन क्यों किया जा रहा है ?
- सेल कहता है कि हर किसी की जिन्दगी से जुड़ा है सेल। सेल से दूर रहना ही अच्छा होगा। क्योंकि सेल मौत का दूसरा रूप है।
- बीएसपी प्रबंधन को रावघाट परियोजना की स्वीकृति न दी जाये।
- दल्लीराजहरा के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है ?
- अधिकारियों से मांग करने पर कानूनी डण्डा चलाकर चुप करा दिया जाता है।
- अपनी मांगे मनवाने के लिये धरना प्रदर्शन तक करना पड़ता है।
- बीएसपी प्रबंधन के अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज हो।
- रावघाट परियोजना की स्वीकृति मिलने पर प्रबंधन नकारात्मक रवैया अपनायेगी।
- मूलभूत सुविधा छीनी गई है।
- नगरवासियों को बीएसपी ने मौत के अलावा और कुछ नहीं दिया है।
- नगरवासियों की दुर्दशा में प्रबंधन मौन है।
- नगरवासियों को इसका पर्याप्त लाभ मिले।
- बीएसपी प्रबंधन हर एक दो साल में स्कूल बन्द कर रही है जबकि प्रशासन द्वारा पर्याप्त स्कूल खुलवाये जाते हैं।
- आसपास के गांव जैसे– धोबेदण्ड आदि के समीप के कृषकों के जमीन बंजर हो गई है इसका मुख्य कारण है खदान का लाल पानी।
- मूलभूत सुविधाओं में कमी की जा रही है। आवासों को तोड़कर मैदान के रूप में परिवर्तित कर दिया गया।
- राजहरा में बन्द पड़े स्कूलों को कब तक खोला जावेगा। सड़कों का पक्कीकरण कब तक किया जायेगा ? स्पष्ट करें।

5. सुश्री मुक्ति गुहा नियोगी, नगर पालिका अध्यक्ष, दल्लीराजहरा जिला–दुर्ग।

- मेरे पिता शंकर गुहा नियोगी थे, जो काफी संघर्ष किये जिसके फलस्वरूप यहां की जनता को रोजगार मिला। हास्पीटल खुलवाया, खेल ग्राउण्ड बनवाया।
- आज स्कूल बन्द हो रहे हैं, बच्चे पढ़ने के लिये भटक रहे हैं, चिकित्सा सुविधा पर्याप्त नहीं है।
- यहां पर किसी को हार्टअटेक होने पर उसकी मौत सुनिश्चित है क्योंकि पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है।
- दल्लीराजहरा में पर्याप्त रोजगार मुहैया नहीं कराया गया। पहले यहां 12000 मजदूर काम करते थे उन्हें ज्यादा पैसा देकर नौकरी से बिठा दिया गया।
- यहां मशीनीकरण का विरोध हुआ। 11 मजदूरों को दिन दहाड़े गोली मार दी गई उनके परिवार के सदस्यों को आज तक नौकरी नही दी गई।
- यहां की जनता को रोजगार नहीं मिल सकता तो इस स्वीकृति की क्या जरूरत है ?

- स्कूल क्यों बन्द करवाया गया ? डीएवी स्कूल यहां संचालित करवा दिया गया जो कि प्राइवेट स्कूल है, वहां का प्रिंसपल सीधे मुंह बात नही करते। कहते हैं कि जो मैनेजमेन्ट कहेगा हम वही करेंगे। मैं यहां के मैनेजमेन्ट से मिली लेकिन उनसे भी कोई सही समाधान नहीं मिल पाया। यहां के बच्चों के भविष्य के साथ मैनेजमेन्ट खिलवाड़ कर रहा है।
- यहां की जनसंख्या क्यों कम हो गई ? स्कूल क्यों बन्द करा दी गई तो रावघाट की स्वीकृति के बारे क्यों बात कही जा रही है। मैं पुरजोर तरीके से इसका विरोध करती हूं।

6. श्री ईश्वर लाल भूआर्य, अध्यक्ष, बीएसपी स्कूल–3 राजहरा, जिला–दुर्ग।

- बीएसपी स्कूल में बच्चों की कमी होने के कारण बीएसपी प्रबंधन द्वारा शनैः शनैः स्कूलों को बन्द किया जा रहा है।
- दल्लीराजहरा वासियों के लिये बीएसपी पूर्व में काफी कार्य जनता के लिये किया गया। अच्छे हास्पीटल खुलवाये। मै नगर के समस्याओं को अखबारों में भी लिखा।
- विद्यालय अच्छे थे जहां बहुत सारे बच्चे अध्ययन करते थे।
- 28 सितंबर 1991 तक मशीनीकरण नहीं था और इसके बाद मशीनीकरण बढ़ने लगा। जनप्रतिनिधि अपने लोडर, पोकलेण्ड , ट्रक चला रहे हैं और कहते हैं मशीनीकरण न हो।
- मजदूरों ने 100 बिस्तर हास्पीटल खुलवाया। जिसके पहले डॉक्टर विनायक जी थे।
- जब हम मशीनीकरण स्वयं हटा देंगे तो मजदूरों को रोजगार अधिक मिलेगा। मानपुर के पास कागज करखाना खुलने वाला था वहां प्रतिनिधि लोग जाकर पहले ये बात करते हैं कि मेरे कितने आदमियों को रखोगे।
- बाहरी ठेकेदारों का सम्मान करें।

7. श्री रामलाल गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, राजहरा व्यापारी संघ, जिला–दुर्ग।

- जनसुनवाई का व्यापक प्रचार प्रसार नहीं किया गया।
- मैं 30 साल से राजहरा में हूं। राजहरा की मेनरोड की क्षमता 18–20 टन की है जहां लगभग 40 टन क्षमता की गाड़ियां चल रही है, इसकी हालत जर्जर हो गई है।
- अधिकारी कहते हैं कि राजहरा के आसपास के क्षेत्र में विकास हो यही हमारा उद्देश्य है ऐसा कहा जाता है।
- कुल आय में से यहां के क्षेत्र में कितने प्रतिशत विकास कार्यो में खर्च किया गया है।
- विकास दिशाहीन नहीं होना चाहिए। इसका लाभ हर नागरिक को मिल सके।
- डीएवी में आम नागरिक के बच्चों को नहीं लिया जाता है क्यों ?
- रिक्शे, ठेले वाले के बच्चों को क्यों नहीं स्कूल में भर्ती लिया जाता है ?
- शहर में सफाई ठीक तरह नहीं हो पाती है।
- पुलिया की हालत जर्जर है जहां से 40 टन क्षमता की वाहन गुजरते हैं, यदि कोई दुर्घटना होती है तो इसके लिये कौन जिम्मेदार होगा ?
- नालियों में गन्दा पानी नहीं बहाने का वादा किया जाता है जो सही नहीं है इसमें क्षेत्र की महिलायें स्नान करती हैं।
- जनता को सुविधा देना प्रबंधन का उद्देश्य नहीं है। लोगों को गुमराह न कराया जाये।
- आसपास के क्षेत्र में प्रबंधन द्वारा 10 प्रतिशत विकास कार्य नहीं किया गया है।
- बड़ी रोड़ बनाई जाये ताकि उस पर से भारी वाहन जा सके।

- ठेकेदार जो बाहर के हैं, को एक माह में 1.20 लाख का ठेका दिया गया है वे यहां के मजदूरों का शोषण करते हैं। उन्हें पर्याप्त मजदूरी तक नहीं मिलती।
- हम न्याय चाहते हैं अन्याय नहीं चाहते।
- प्रबंधन से निवेदन है कि एक गांव वे जरूर जाये।

8. श्री एम.एस.संतकुमार, अध्यक्ष हिन्दुस्तान स्टील एम्लाईज यूनियन, जिला–दुर्ग।

- मैं प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। जन सुनवाई में पक्ष विपक्ष में बातें आयेंगी।
- क्षमता विस्तार के लिये यह जन सुनवाई की जा रही है।
- यूनियन द्वारा 30 मई को रावघाट रेल परियोजना प्रारंभ करने के लिये और रावघाट खदान की लीज बीएसपी को मिले इस बात को लेकर आंदोलन किया गया था। इस आंदोलन में काफी कम लोग जुड़े थे।
- आम जनता तक बात पहुंचाने के लिये जो जन आंदोलन किया गया उसके कारण विधानसभा में भी प्रस्ताव पारित किया गया।
- बीएसपी को किसी भी प्रकार से रावघाट से आयरनओर की कमी न हो इसलिये खदान में उत्खनन का काम जारी रखा गया।
- इसके खुलने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। क्षमता विस्तार से इस क्षेत्र की विकास की संभावना बनती है।
- मैन पावर यहां बढ़ेगा। इस प्रोजेक्ट में लगभग 400 लोगों को रोजगार मिलने के बारे में बताया गया है। यहां के परिवारों के हित पर किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं होगा।
- रोजगार नियमित रोजगार के माध्यम से मिले।
- प्रोसेसिंग प्लांट के लिये यहां स्वीकृति की बात की जा रही है। ऐसी स्थिति में पर्यावरण को सुरक्षित रखा जावे। क्षेत्र की जनता को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो।
- जन भावनाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। आम लोगों का विकास दिखना चाहिए उन्हें इसका पूरा फायदा मिलना चाहिए।
- स्कूल, शिक्षा, हास्पीटल बीएसपी प्रबंधन द्वारा इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए।
- यहां की जनता को रोजगार सुनिश्चित कराया जाये।
- पर्यावरण को सही तरह से रखा जाये, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

9. श्री दीनदयाल रंगारी, लोक कलाकार, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- भिलाई देश की शान है तो राजहरा उसकी जान है लेकिन मुझे किसी भी एंगल से नहीं लगता है कि राजहरा उसकी जान है।
- राजहरा का मात्र एक सरोवर था जिसे सप्तगिरी डेम के नाम से जानते हैं आज यह तालाब सुरक्षित नही रह गया है। आज की स्थिति में भैंस के डूबने के लिये जगह नहीं है। वहां का जल दूषित है।
- कोण्डागांव के लिये जो रोड जाती वहां पर दो माह पहले रोड बनी है जो जर्जर स्थिति में है, बहुत अधिक कीचड़ है।
- स्कूल भवन का निर्माण किया गया है। आसपास के क्षेत्र में मैं घुमा करता हूं क्योंकि मैं कलाकार हूं। उन्नति की बात करना उचित नहीं है।
- एक एक गांव के व्यक्ति को जन सुनवाई में बुलाया जाना चाहिए लेकिन यहां सिर्फ प्रबंधन के अधिकारी/कर्मचारी ही दिख रहे हैं।

- पत्थर उबलती रही एक मां तमाम रात, बच्चे धोखा खाकर चटाई पर सो गये। यहां कोई विकास नहीं हुआ है।

10. श्री कुलदीप नोन्हारे, जनमुक्ति मोर्चा दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- पुलिस वालों को यहां से हटाइये इनकी उपस्थिति में हम भय का अनुभव कर रहे हैं। हम इनकी उपस्थिति में कुछ नहीं बोलेंगे। ये किसके लिये बुलाया गया है।
- हम इसका विरोध करते हैं। पुलिस वालों की हमको जरूरत नहीं है।

अपर कलेक्टर महोदय ने इस संबंध में स्पष्ट किया कि पुलिस को कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये रखा गया है। अतः पुलिस फोर्स को नहीं हटाया जायेगा।

11. श्री वीरेन्द्र कुर्रे, जनमुक्ति मोर्चा, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- जनसुनवाई किसकी ओर से हो रहा है महोदय जी ? रिकार्डिंग प्रबंधन द्वारा या आपकी ओर से कराई जा रही है ?
- क्या आप रिकार्डिंग को निष्पक्ष रूप से दिल्ली में ले जाकर सही सही दिखायेंगे कृपया इसका जवाब देवें।
- मैं निर्भीक कैसे होऊंगा ? पुलिस वालों को यहां से हटाइये इनकी उपस्थिति में हम भय का अनुभव कर रहे हैं।
- इस क्षेत्र की जनता चाहती है कि बन्दूकधारियों को हटाइये।
- जनसुनवाई वापस जाओ, पुलिस फोर्स वापस जाओ। पुलिस फोर्स मुर्दाबाद।
- जनसुनवाई ढकोसला है। पुलिस फोर्स को आप लोग नही हटवाना चाहते हैं तो आप लोग यहां से हट जाइये।
- जनसुनवाई के नाम पर नौटंकी है।

अपर कलेक्टर महोदय ने इस संबंध में स्पष्ट किया कि पुलिस को कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये रखा गया है। इस संबंध में क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा पत्र पढ़कर भी जनता को सुनाया गया। जो कि लोक सुनवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक, दुर्ग को पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने बाबत् अपर कलेक्टर, दुर्ग द्वारा लिखा गया था। कुछ लोगों द्वारा मंच की ओर पत्थर एवं टमाटर फेंके गए एवं विरोध प्रदर्शन करते हुए एक समूह बाहर चला गया तथा उनके द्वारा स्टेडियम में पण्डाल के बाहर खड़े होकर इस संबंध में विरोध प्रदर्शन किया गया। अपर कलेक्टर, दुर्ग द्वारा उपस्थित लोगों को समझाते हुए शांत कराया गया। लोक सुनवाई की कार्यवाही पुनः सुचारू रूप से संचालित होने लगी।

12. पुनः उद्बोधन श्री कुशल ठाकुर जिला–दुर्ग।

- जनसुनवाई के लिये कितने लोगों की उपस्थिति जरूरी है।

  क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा बताया गया कि कितने लोग उपस्थित रहे, इस संबंध में कोई दिशा निर्देश नहीं हैं। जनसुनवाई को मूल रूप में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत शासन को भेजा जाता है जिस पर उनके द्वारा निर्णय किया जाता है। निर्णय लेने का अधिकार हमें नहीं है।
- अभी आपने कहा कि यहां पर लाईव रिकार्डिंग हो रही है, उसे वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत शासन को भेजा जायेगा। ये उद्योग की ओर से है या आपकी ओर से ?

- कितने प्रतिशत आई.ए.सी. मटेरियल का यहां पर उपयोग किया गया है ? क्या आपने गिने चुने लोगों को यहां पर बुलाया ?
- एक आदमी जब भूखा होता है तब उसे पानी और भोजन की आवश्यकता होती है उस स्थिति में एक हाथ में यदि एक करोड़ रूपया है और दूसरे हाथ में भोजन है तो वह किसे चुनेगा ? ये एक अनसुलझा सवाल है।
- ये जनसुनवाई यदि समूची जानकारी के साथ पुनः होगी तो ये पूरा ग्राउण्ड कम पड़ेगा।

13. पुनः उद्बोधन श्री दीपक मित्तल, नवभारत ब्यूरो, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- यहां जनता कौन है ? किसकी सुनवाई कर रहे हैं ?
- यहा पर प्रेस रिर्पोटर हैं ? यहां पर बीएसपी के अधिकारी हैं। आप जनसुनवाई किसकी कर रहे हैं ?

14. श्री रमेश भगत, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- .महोदय आप जनसुनवाई करने आये हैं, हमारी जनता का अपमान हो रहा है आप जनसुनवाई बन्द कर दे। एक तरफ बीएसपी अधिकारी दूसरी तरफ प्रेस वाले, जनता का आप अपमान कर रहे हैं।
- आप जनता की आवाज सुन नहीं रहे हैं।
- आपने क्या निर्णय लिया ?
- यहां पर हर मानव लोहा है। हमारी जनता की आवाज सुने।

  क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा कहा गया कि यहां पर जनता की ही आवाज सुनी जा रही है। हम यहां सुनने के लिये आये हैं, निर्णय लेने के लिये नहीं आये हैं।

15. श्री जगेन्द्र भारद्वाज, एडव्होकेट, राजहरा, जिला–दुर्ग।

- मैं ये सोचकर आया था कि पर्यावरण संबंधी बातें होगीं। लेकिन पर्यावरण उजड़ते ही गया है संवरते नहीं गया है।
- मेरा जन्म यही हुआ है उस समय इसकी हरियाली बहुत अच्छी थी, जीव–जन्तु काफी मात्रा में पाये जाते थे। पर्यावरण आर्थिक, सामाजिक, नैतिक ढ़ंग से उजड़ चुका है।
- हम स्वार्थी होते जा रहे हैं इस कारण अव्यवस्था फैलती जा रही है। इस कारण हम ग्लोबल वार्मिंग से जूझते जा रहे हैं।
- आज विदेश में पर्यावरण चिन्तन का सबसे बड़ा विषय है। लेकिन हमारे देश में इसको कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है।
- पानी, वन जीव अमूल्य है। हमें इन पर ध्यान देना होगा, हर किसी को अपने लेबल पर खड़ा होना होगा।
- जितनी लड़ाई खाने के लिये हो रही है, उतनी ही पर्यावरण के लिये हर किसी को लड़ना होगा।
- पूरी पृथ्वी उजड़ रही है। मैं 8–10 सालों से पर्यावरण संरक्षण के लिये काम करता हूं।
- मै एडव्होकेट हूं मेरे द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब देना होगा। आप सभी लोग स्वार्थी हो गये हैं, मैं चिन्तित हूं, आप जीव जन्तु को मारते जा रहे हो हमारे पहले ये जीव जन्तु पेड़ पौधे आये तब हम छोटी सी बुद्धि पाकर यहां आये हैं।
- यदि पानी नही रहेगा तो पूरी धरती खत्म हो जायेगी।

- प्रयास पाजीटिव होना चाहिए, परिणाम निकलना चाहिए, पर्यावरण नष्ट नहीं होना चाहिए।
- पर्यावरण रहेगा तो रावघाट रहेगा। पर्यावरण बचाये।

16. पुनः उद्‌बोधन श्री कुशल ठाकुर जिला–दुर्ग।

- यहां कितने विभाग के लोगों को बुलाया गया थां, पुलिस फोर्स के जवान दिख रहे हैं।
- दिल्ली में जो लोक सुनवाई होगी उसमें जनता के प्रतिनिधि रहेंगे क्या उस पर श्वेत पत्र जारी होगा ?
- अगर श्वेत पत्र जारी होता है तो मैं जन सुनवाई का समर्थन करूंगा।

17. श्री विवेक मसीह, महामंत्री, कांग्रेस कमेटी, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- क्षमता विस्तार के तहत राजहरा हिल में क्षमता बढ़ेगी तो पेड़ कटेंगे ?
- वन को कितनी हानि होगी ? बीएसपी प्रबंधन क्या करेगी ?
- प्लांट लगेगा तो स्थानीय लोगों को क्या सुविधा मिलेगी ?
- स्कूल बन्द कर दिया गया है। नारायणपुर के 40 बच्चों को लाकर पढ़ाया जा रहा है एवं यहां खुले डीएवी स्कूल में बीएसपी/नान बीएसपी बच्चों को ही एडमिशन नही दिया जा रहा है। यहां संसाधन का दोहन कर रहे शोषण कर रहे हैं।
- एक टाईम 20–25 मिनट पानी मिलता है। हास्पीटल आज सिमट गया है।
- डाक्टर की कमी है आप क्या सुविधा देंगे ?
- यहां के नागरिकों को सुविधा नहीं मिलेगी।
- मैं ट्रेड अप्रेंटिस की ट्रेनिंग करके आया हूं। मुझे आज तक रोजगार नहीं मिला है। यह एक दिखावा है। नागरिक सुविधा में कटौती की जा रही है। आवास कम होते जा रहे हैं।
- कर्मचारी कम हो रहे हैं और क्षमता बढ़ रही है। निजीकरण किया जाना चाहिए।
- उपस्थिति पत्रक में जनसुनवाई के पक्ष में हां या न का कालम रखना था जिसमें सहमत हैं या असहमत हैं यह दर्ज किया जा सके ?
- जनसुनवाई का व्यापक प्रचार–प्रसार नही किया गया है कृपया इसे दुबारा करवाई जाये।
- प्रभावित लोग यहां पर आये ही नहीं।
- स्कूल जो बन्द हो रहा है उसके लिये दिल्ली में बात रखे, बेरोजगारों को काम नही दे रहे हैं, मशीनीकरण ज्यादा कर रहे हैं, हर हाथ को काम दिलाने का वायदा आपके द्वारा किया गया था।
- आर के माइन्स वाले माइन्स एक्ट के विरूद्ध माइन्स एरिया में मकान बनाकर रह रहे हैं जो जो माइन्स एक्ट का उल्लंघन है।

18. श्री अनिल खोब्रागड़े, पत्रकार, ग्राम–चिखलाकसा, जिला–दुर्ग।

- जो जनुसनवाई हो रही उसका मैं स्वागत करता हूं। क्योंकि विकास पहली प्राथमिकता है, विकास के लिये, इस क्षेत्र को बचाये रखने के लिये जो कुछ किया जाना चाहिए उसके लिये ये परियोजना जरूरी है।
- जो बात कही जाती है उसे अक्षरशः पूरा किया जाता है तो अच्छा होता है।
- रावघाट के दो–तीन स्थान जहां पर मैं गया था वहां स्थानीय आदिवासी को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराया जा रहा है जिसका मैं स्वागत करता हूं।
- 20 किमी. क्षेत्र के दायरे में एक स्वास्थ्य शिविर जरूर लगाये जिसमें डॉक्टर अपनी सेवायें दें।

- बीएसपी प्लांट के कारण ही इस क्षेत्र का विकास दिखता है। यहां पहले डोंगरी माइन्स हुआ करती थी। इनके विकास के साथ साथ क्षेत्र का विकास भी हुआ।
- पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ओर प्रोसेसिंग बेनिफिकेशन प्लांट लगाया जाय या न लगाया जाये इस विषय पर अपना विचार रखा जाये ये अलग मुद्दा है।
- ग्रामीण क्षेत्र का समुचित विकास हो। जन भावनाओं के अनुरूप स्थानीय प्रबंधन को अपना रूख सही करना होगा तभी विकास संभव है। ये ग्रामीण एक बच्चे की तरह होते हैं इन्हें प्रबंधन को साथ लेकर चलना होगा।
- क्षेत्र के लोगों को इस संबंध में सही तरह से नहीं बताया गया। अच्छी सड़कें, परिहवन सुविधा होगी तभी उस क्षेत्र का अच्छा विकास होगा।
- स्कूल, शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधा को बन्द न किया जाये बल्कि नई खोल दी जावे।
- आसपास के लोग यहां पर अधिक रोजगार करते हैं लेकिन स्थानीय लोगों को इसकी सुविधा नहीं मिल पा रही है।
- हितकसा टेलिंग डेम से निकलने वाली लाल मिट्टी लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है। इसे अच्छा बनाइये कि ऐसी समस्या ना हो।
- जनता की भावनाओं के साथ, विचारों के साथ जुड़कर विकास कार्य करें। जब तक ऐसा नहीं होगा तब विकास कार्य होना संभव नहीं होगा।
- 14 एमटीपीए बढ़ाने की आवश्यकता है मैं इसकी पैरवी करता हूं।
- यहां के जनप्रतिनिधियों , पत्रकारों के बीच विश्वास अर्जित करने की कोशिश कीजिये। हम इसका स्वागत करते हैं।
- ऐसी कार्ययोजना बनाये जिसका लाभ सभी को हो।

19. श्रीमति अमाय नागवंशी, ग्राम सरपंच कुसुमकसा जिला–दुर्ग।

- दल्लीराजहरा से 5 किमी. ग्राम कुसुमकसा में फाइन्स मिट्टी जाकर बह रही है उसे निकालने का जो बीएसपी प्रबंधन ने वादा किया था वो फाइन्स मिट्टी अभी तक नहीं निकली है क्यों ? तालाब के सौन्दर्यीकरण का भी निवेदन करती हूं। जो पिचिंग हुआ है जो पानी यहां से बहकर जा रहा है, मिट्टी को कठोर बना देता है, गहरीकरण समतल मैदान में बदल गया है। इसका पानी मवेशी पीते हैं और कभी कभी मर भी जाते हैं।
- नाले में जो डैम बनाये गये हैं उसमें बहकर आने वाली लाल मिट्टी के कारण नाले भरते जा रहे हैं। आप नाला सौंदर्यीकरण करवाने का आश्वासन दीजिये।

20. पुनः श्री कुशल ठाकुर, जिला–दुर्ग।

- आयरन ओर के फाइन्स बहकर निकल जाता है बीएसपी प्रबंधक को आप आदेश दे रहे हैं या निर्देश देने आये हैं ? आप शासन की ओर से बैठे हैं और हम जन प्रतिनिधि की ओर से हैं।
- अगर यहां पर आज जो सुनवाई हो रही है उसमें हर पंचायत से हर वार्ड से पीआईपी बनकर आता है तो मैं उसका समर्थन करता हूं।

21. श्री रामजतन भारद्वाज, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- सन् 1994 में पुराना बाजार में पर्यावरण और प्रदूषण का मामला सामने आया था। चक्काजाम भी किया गया था। आन्दोलन भी किया गया। पर्यावरण टीम आई भी थी जानकारी भी ली।

यह क्षेत्र धूल धक्कड़ से प्रदूषित था। लोग दमें की बीमारी से ग्रसित थे। ऐसे मुद्दों को लेकर आंदोलन किया गया था।

- बीएसपी मैनेजमेन्ट के न सुनने पर हाईकोर्ट में हमने अर्जी दी थी। हाईकोर्ट से हम हार गये
- हास्पीटल की सुविधा हेतु निवेदन किया गया।
- सरकार या सरकार में बैठे हुए लोगों को सकारात्मक दृष्टि से कार्य करना चाहिए। इसलिए सरकार कुछ निर्णय खुद भी ले लेती है।
- अधिकारी लोग कही न कहीं आम जनता का पक्ष नही लेते हैं। जनता के पक्ष में काम करें। प्रबंधन के सोचने का ढ़ंग बिल्कुल बदल गया है। आज पॉलिसी चेंज कर दी गई है। जनता भले भूख मर जाये लेकिन उनके कोष में पैसा अधिक आना चाहिए। लेकिन जनता की स्थिति क्या है उसकी झलक आपके सामने स्पष्ट आ रही है।
- राजहरा में अगर ये बनाया जा रहा है तो स्वागत की बात है। जनसुनवाई में पर्यावरण पर विशेष ध्यान दें, जनता के प्रति सोचें, प्रभावितों को हास्पीटल की सुविधा दी जाये। आम आदमी के लिये भी यहां पर बीएसपी में सुविधा होनी चाहिए। मेरा निवेदन है कि सुविधाओं को आगे बढ़ाये काटे नहीं। पानी की स्थिति में सुधार हो, रिकार्ड तोड़ उत्पादन कर रहे हैं।
- पुराना बाजार में रोड़ को डाइवर्ट कर दिया जाये ऐसी मांग मेरे द्वारा की जा रही है कृपया उस पर अमल हो।

22. श्रीमती पांचो बाई, सरपंच पंचायत धोबेदण्ड, जिला–दुर्ग।

- 30–35 वर्ष पूर्व प्लांट का निर्माण हुआ। लेकिन आज तक कोण्डेकसा का विकास अधूरा हैं बीएसपी द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।
- संयंत्र लगाने से पूर्व सड़क, स्कूल, पेयजल व्यवस्था होना चाहिए।
- वृक्षारोपण होना चाहिए।
- खेतों से एवं नालों में पटी लाल मिट्टी कब निकालेंगे।

23. श्री पवन मेश्राम, छ.ग.बौद्ध महासभा महामंत्री, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।

- 17 साल पहले कारूटोला तालाब निर्माण, अरमूरकसा नाला निर्माण हुए काफी समय हो गया। वर्ष 2010–11 में क्या क्या विकास कार्य किया गया ?

उपस्थित जन समूह में से इच्छुक लोगों द्वारा अपने विचार व्यक्त करने के उपरांत श्री ए0सी0 मालू, क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई द्वारा लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण उपस्थित जनों को पढ़ कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान प्राप्त सुझाव, विचार एवं आपत्तियों के परिपेक्ष्य में उद्योग का पक्ष रखने हेतु अपर कलेक्टर , जिला–दुर्ग द्वारा उद्योग प्रबंधन को निर्देशित किया गया। उद्योग के प्रतिनिधि श्री दयानंद, डीजीएम, सीएसआर. माइन्स विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा जन सुनवाई के दौरान प्राप्त सुझाव, विचार व आपत्तियों का उद्योग के तरफ से पक्ष रखा गया/समाधान किया गया जो कि निम्नानुसार है :–

- सीएसआर के तहतह बीएसपी प्रबंधन ग्रामीण उत्थान के लिये हमेशा तत्पर रहा है। विभिन्न कार्य करते आये हैं।
- बीएसपी प्रबंधन द्वारा सभी स्तर के लोगों के बच्चों को शिक्षा दी जाने की व्यवस्था की है।

❖ पहले यहां पर व्यापार बहुत ज्यादा था। जनसंख्या बहुत ज्यादा थी इसी आधार स्कूल अधिक खोले गये थे। वर्तमान में यह संख्या घट गई है।

❖ हमारे द्वारा ऐसे स्कूलों में जिनमें बच्चों की संख्या कम है उन बच्चों को दूसरा स्कूल, जो बीएसपी प्रबंधन का है, में सम्मिलित कर पढ़ने भेजा गया। हमारे द्वारा 15 बच्चों के लिये भी शिक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई।

❖ महामाया में 22 बच्चों को 3 वर्ष हाईस्कूल में पढ़ाई करवाई गई। जिसका संपूर्ण खर्च प्रबंधन द्वारा उठाया गया।

❖ बीएसपी प्रबंधन द्वारा प्राइवेट स्कूल को बढ़ावा इसलिये दिया गया क्योंकि शिक्षा का स्तर वहां बहुत अच्छा है। लोगों की मांग थी कि यहां पर डीएवी, डीपीएस, केन्द्रीय विधालय जैसे स्कूल होने चाहिए। हमारे द्वारा पहले डीपीएस एवं उसके बाद केन्द्रीय स्कूल से चर्चा की गई परन्तु अनुकूल परिणाम नहीं मिलने के कारण अंत में हमारे द्वारा डीएवी स्कूल जनता की मांग के आधार पर खोला गया।

❖ दो स्कूल बन्द कर एक स्कूल खोला गया यह बात सही नहीं है। आज डीजएवी के दो स्कूल संचालित हैं। हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी स्कूल।

❖ डीएवी स्कूल में क्लास–1 सेक्शन बना दिया गया है।

❖ 150 सीट क्लॉस–1 की है। यहां पर हमें केवल एडमिशन के लिये 9 बच्चे मिलें। उसके बाद भी हमारे द्वारा उन बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था की गई।

❖ दल्लीराजहरा की रोड के संधारण हेतु बीएसपी प्रबंधन द्वारा ठेका दिया जा चुका है।

❖ वीरनारायण चौक तक रोड की चौड़ाई कम थी, जिसे अब डबल कर दिया गया है। धोबेदण्ड, दर्राटोला, आड़ेझर, महामाया के दो तीन गांव, कुसुमकसा के नालों से खेतों में जो फाइन्स गया है उसे हटाने का कार्य बीएसपी प्रबंधन द्वारा किया गया। जिसमें 1.87 लाख का मुआवजा दिया गया। इसमें से 90 लाख रूपये का काम पूरा कर लिया गया है। धोबेदण्ड के तालाब की मिट्‌टी को भी निकलवा लिया गया है।

❖ अरमूरकसा से जो नाला होकर गुजरता उसमें लाल पानी बहुत अधिक होता है जो बहकर नेचरल सोर्स में न मिले, इस हेतु 10 चेकडेम बनाये गये हैं और इसकी गहराई कर पिचिंग का कार्य किया गया है।

❖ पर्यावरण विभाग एवं बीएसपी प्रबंधन द्वारा विशेष मशीन के द्वारा यहां मानीटरिंग कार्य किया गया जो मानको के अनुकूल पाया गया। रोड पीडब्लूडी. के होने के कारण उसे नगर पालिका में हस्तांतरण कर लिया गया और गौरव पथ निर्माण करवा दिया गया। इस रोड को सीएसआर के तहत 430 लाख रूपये सेंक्शन कर रोड का निर्माण कार्य किये जाने प्रस्ताव पारित किये गये। यह राशि बीएसपी के एम.डी. द्वारा माननीय मुख्यमंत्रीय, छ.ग. शासन को सौंपी गई है।

❖ कुछ घर 40–50 वर्ष पूर्व बने थे, जर्जर अवस्था में होने के कारण उसमें रहने वाले लोगों को हमारे प्रबंधन द्वारा खाली करवा कर समतलीकरण करवाया गया एवं उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित किया गया।

❖ 8 करोड़ रूपये से सीएसआर. के तहत चिखलाकसा हाईस्कूल निर्माण, बोर खनन, पुलिया मुरम रोड निर्माण कार्य करवाया गया।

❖ झरन तालाब से जो फाइन्स निकलकर आता है वह नेचुरल सोर्स में ना मिले, किसी फील्ड में ना जाये इसलिये उसे डेम साईट में डाइवर्ट कर लिया गया एवं उसका

निस्तारीकरण किया जा रहा है। तालाब का डिसिल्टेशन किया गया है। पिछले वर्ष 15 लाख खर्च किया गया है। डेम साईट हेतु लगभग 60 लाख खर्च किया गया हैं।

- ❖ सीएसआर के तहत महामाया में आईटीआई स्थापना की कार्यवाही जारी है।
- ❖ डौण्डी लोहारा अंचल से 20 आदिवासी बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधा बीएसपी प्रबंधन द्वारा दिया जा रहा है, जिसमें से कुछ बच्चे नेशनल लेवल के प्लेयर भी हैं।
- ❖ बीएसपी प्रबंधन की मंशा यही रही है कि आसपास के अंचल के लोगों को पर्याप्त लाभ मिले। इससे किसी भी ग्रामीण लोगों को नुकसान न हो, ऐसी व्यवस्था की गई।

लोक सुनवाई के दौरान दिनांक 05.05.2011 को लिखित में 12 आवेदन प्राप्त हुए। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	आवेदनकर्ता का नाम	आवेदन का विषय
1	श्री राकेश जायसवाल, पार्षद, वार्ड 2 आजाद नगर वार्ड, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।	बीएसपी कुंवारी रोड जो कि आपके क्षेत्र के अन्तर्गत आता है उस सड़क से प्रतिदिन आवागमन होता है जिससे उस सड़क पर बहुत धूल धक्कड़ उड़ता है जिससे वहां के लोगों को बहुत परेशानी होती है। इसे देखते हुए डामरीकरण करने की कृपा करें। बीएसपी के पहाड़ से जो पानी आता है। बरसात के दिनों में वो नाला फूल होने के कारण वार्डवासियों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। बरसात में बच्चों को स्कूल आने जाने में परेशानी होती हैं। कृपया पुलिया निर्माण कराने का कष्ट करें।
2	श्री भागवत प्रसाद वासनिक, पार्षद, वार्ड 3, वल्लभ नगर, दल्लीराजहरा जिला–दुर्ग।	वार्ड 3 में सीआईएसएफ कालोनी में डामरीकरण एवं नाली निर्माण का कार्य करने की कृपा करें। फुटबाल ग्राउण्ड के बगल वाले एरिया सिद्धि दफाई में पानी की व्यवस्था। देवार पारा क्रिकेट ग्राउण्ड नाले के ऊपर पुलिया निर्माण।
3	श्री दीपक मित्तल, नवभारत ब्यूरो, दल्लीराजहरा, महामाया।	रावघाट परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति न दी जाये के संबंध में आवेदन पत्र। रावघाट माइन्स के प्रारंभ से राजहरा क्षेत्रवासियों को क्या लाभ मिलेगा ? स्पष्ट करें। रावघाट माइन्स के प्रारंभ में क्षेत्रवासियों को कितने प्रतिशत रोजगार प्राप्त होंगे ? स्पष्ट करें। राजहरा वासियों को क्या क्या सुविधायें दी जायेंगी ? स्पष्ट करें। राजहरा के बन्द पडे स्कूलों को कब तक शुरू किया जायेगा ? स्पष्ट करें। राजहरा क्षेत्र में धूल भरी सड़क से कब निजात मिल पायेगी ? स्पष्ट करें।

4	सरपंच, कार्यालय ग्राम पंचायत आड़ेझर, जनपद पंचायत, डौण्डी, जिला–दुर्ग।	ग्राम पंचायत आड़ेझर के आश्रित ग्राम मलकुंवर के बांध में राजहरा माइन्स का फाइन्स मिट्टी निकालने बाबत्।
5	श्री लल्लूराम, सरपंच, ग्राम पंचायत, अरमुरकसा, वि.खं.डौण्डी जिला–दुर्ग।	नाला से फाइन्स मिट्टी एवं बाढ़ नियंत्रण बाबत्।
6	सरपंच, ग्राम पंचायत कुसुमकसा, वि.खं. डौण्डी, जिला–दुर्ग	कुसुमकसा नदी का सौन्दर्यीकरण एवं माइन्स का फाइन्स मिट्टी निकालने हेतु।
7	श्री जगेन्द्र भारद्वाज, नियोगी नगर, वार्ड–15, दल्लीराजहरा, जिला–दुर्ग।	सर्पो एवं अन्य जीव जन्तु संरक्षण बाबत्।
8	सरपंच, ग्राम पंचायत धोबेदण्ड, वि.खं.डौण्डी, जिला–दुर्ग।	शिक्षा, चिकित्सा, सड़क निर्माण बाबत् आवेदन पत्र।
9	सरपंच, ग्राम पंचायत धोबेदण्ड, वि.खं.डौण्डी, जिला–दुर्ग।	शिक्षा, चिकित्सा, सड़क निर्माण बाबत् आवेदन पत्र। हायर सेकेण्ड्री स्कूल के लिये रिक्त भूमि का एनओसी. चाहिए, प्रधान मंत्री सड़क योजना के तहत पक्की सड़क निर्माण, ग्रामीण बेरोजगारों को रोजगार, किसानों की जमीन में लाल मिट्टी (डस्ट) जमा हुआ है उसे तत्काल निकालने की व्यवस्था किया जाये, झरन के नीचे तालाब निर्माण।
10	सरपंच, ग्राम पंचायत धोबेदण्ड, वि.खं.डौण्डी, जिला–दुर्ग।	शिक्षा, चिकित्सा, सड़क आदि सुविधा में आधारभूत सुधार हेतु आवेदन पत्र। शिक्षा के लिये हायर सेकेण्ड्री स्कूल हेतु 3 हेक्टेयर जमीन के लिये एनओसी. चाहिए, प्रधान मंत्री सड़क योजना के तहत पक्की सड़क निर्माण, आसपास खाली जमीन में वृक्षारोपण, ग्राम कोण्डेकसा में झरन के नीचे तालाब का निर्माण, ग्रामीण बेरोजगारों को रोजगार चाहिए, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विकास के लिये महिला सामुदायिक भवन, किसानों की जमीन में लाल डस्ट जमा हुआ है उसे तत्काल निकालने की व्यवस्था किया जाये।
11	सरपंच, ग्राम पंचायत, धोबेदण्ड, वि.खं. डौण्डी, जिला–दुर्ग।	शिक्षा, चिकित्सा, सड़क निर्माण बाबत् आवेदन पत्र। हायर सेकेण्ड्री स्कूल के लिये बीएसपी. से जमीन चाहिए एवं एनओसी. चाहिए, प्रधान मंत्री सड़क योजना के तहत पक्की सड़क निर्माण, ग्रामीण बेरोजगारों को रोजगार चाहिए, किसानों की जमीन लाल मिट्टी (डस्ट) जमा हुआ है, उसे तत्काल बीएसपी द्वारा निकालने की व्यवस्था किया जावे।

12	सरपंच ग्राम पंचायत–धोबेदण्ड वि.खं. डौण्डी, समस्त ग्रामवासी, ग्राम– कोण्डेकसा, जिला–दुर्ग।	हमारी सबसे बड़ी मांग ग्राम कोण्डेकसा में हायर सेकेण्ड्री स्कूल एवं खेल मैदान हेतु 6 हेक्टेयर जमीन बीएसपी से एनओसी चाहिए, धूल भरी सड़क का डामरीकरण कर सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था कोण्डेकसा झरन का गहरीकरण, बंजर भूमि में वृक्षारोपण, किसानों के जमीन से फाइन्स मिट्टी को निकलवाना, नारी उत्थान हेतु महिला सामुदायिक भवन का निर्माण, गली सीमेण्टीकरण एवं पक्की सड़क निर्माण, मशीनीकरण बन्द कर, स्थानीय लोगों को रोजगार।

लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जनों में से कुल 124 लोगों से हस्ताक्षर लिये गये।

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा लोक सुनवाई में उपस्थित सभी जन समुदाय को लोक सुनवाई में भाग लेने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिये धन्यवाद देते हुए लोक सुनवाई की कार्यवाही समाप्त करने की घोषणा की गई।

(ए0 सी0 मालू)
क्षेत्रीय अधिकारी,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई

(धरमवीर शर्मा)
अपर कलेक्टर
जिला–दुर्ग